IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

एजुकेशन : प्रिपेयरिंग फॉर 21st सेंचुरी एनईपी 2020

डॉ0 मान सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ई .वि.वि. प्रयागराज

अनिकेत कुमार सिंह

शोध-छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज ई .वि.वि. प्रयागराज

शोधसार- शिक्षा स्वयं में जीवन है इसके बिना किसी राष्ट्र के सम्पूर्ण विकास की परिकल्पना ही नहीं की जा सकती है, शिक्षा अनुभवों के निरंतर पुनः निर्माण की प्रक्रिया है। यह व्यक्ति में उन सभी क्षमताओं का सुधार है जो व्यक्ति को पर्यावरण को नियंत्रित करने और अपनी संभावनाओं को पूरा करने में सक्षम बनाती हैं। इसलिए सभी देश अपनी शिक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देते हैं। भारत देश में 1986 के पश्चात राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी मिलने पर इसे 29 जुलाई 2020 लागू कर दिया गया है। एनईपी 2020 वर्तमान भारत को आगे ले जाने में सक्षम हैं, एनईपी 2020 पूर्ण रूप से भारतीय शिक्षण प्रणाली की कल्पना करती है साथ ही आधुनिक एवं नवींन प्रवृत्तियों को साथ ले कर चलती हैं जैसे- शिक्षण व्यवस्था में बदलाव 5+3+3+4 को लागू करना, प्रौढ़ शिक्षा और आजीवन सीखना, डिजिटल पुस्तकालय, तकनीकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना आदि। एनईपी 2020 भारत देश को 21वीं सदी के कौशल का निर्माण कर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करेगा जिससे भविष्य के भारत की रचना छात्र स्वयं कर सके और राष्ट्र के विकास में आग्रणी भूमिका निभा सके। इस शोध पत्र का उद्देश्य यह जानना है की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 किस तरह से वर्तमान भारत की शिक्षा व्यवस्था को एक नवींन दिशा देगा इन्ही तथ्यों का विश्लेषण किया गया है । शोध पत्र के विश्लेषण के लिये शोध पत्रों, पत्रिकाओं, वेबसाइटों और लेखों का मुख्य रूप से उपयोग किया गया हैं।

कुंजी शब्द - प्रौढ़ शिक्षा, आजीवन सीखना, शिक्षक-छात्र अनुपात, डिजिटल पुस्तकालय

प्रस्तावना - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत देश की तृतीय शिक्षा नीति है इसके पहले सन् 1968 एवं 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति आ चुकी है। एनईपी 2020 के निर्माण के लिये 2 लाख से अधिक सुझाव को लिया गया है मानव संसाधन विकास मंत्रालय 2017 ने एक समिति का गठन किया जिसके अध्यक्ष डॉ. के कस्तुरीरंगन थे । इस समिति ने दो वर्ष पश्चात अपना दस्तावेज 31 मई 2019 को सबमिट किया जिसे 29 जुलाई 2020 में यूनियन कैबिनेट के द्वारा पास कर दिया गया । एनईपी 2020, चार भागों में विभाजित है, जिसमें प्रथम भाग स्कूल शिक्षा है, द्वितीय भाग उच्चतर शिक्षा तृतीय भाग अन्य केन्द्रीय विचारणीय मुद्दे और चर्तुर्थ भाग क्रियान्वयन रणनीति है। एनईपी 2020 भारत देश को उसकी प्राचीन शिक्षण प्रणाली से आधुनिक शिक्षण प्रणाली को जोड़ती है जिससे प्राचीन भारत 21वीं सदी की शिक्षा व्यवस्था के साथ बना रहे है । एनईपी 2020 का लक्ष्य है की शिक्षा सभी तक सुगमता, सुविधापूर्वक माध्यम से देश के हर वर्ग के लोगों को प्राप्त हो सके। राष्ट्र के निर्माण में युवा शक्ति का अहम योगदान होता है, इसीलिए कक्षा 6 से ही छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान की जाएगी । एनईपी 2020 में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि छात्रों में 21वीं सदी के प्रमुख कौशलों को शिक्षा के माध्यम से विकसित किया जा सके । 21वीं सदी में अधिगम 4 सी के रूप में जाना जाता है यथा-

महत्वपूर्ण सोच (Critical thinking)- आलोचनात्मक सोच में जानकारी के बारे में प्रश्न करना, विश्लेषण करना, व्याख्या करना, मूल्यांकन करना और निर्णय लेना शामिल है।

संचार (Communication)- जानकारी, विचारों या भावनाओं का आदान-प्रदान करने की प्रक्रिया को संचार कहा जाता है ।

सहयोग (Collaboration)- दूसरों के साथ सहयोग करना अथवा किसी गतिविधि को मिलकर पूर्ण करना ।

सृजनात्मक (Creativity)- समस्या-समाधान, संचार और मनोरंजन के लिए उपयोगी विचारों, विकल्पों या संभावनाओं को उत्पन्न करने या पहचानने की क्षमता को सृजनशीलता कहा जाता है ।

इन चारों क्षमताओं का विकास करना अत्यंत महत्वपूर्ण है । एनईपी 2020 ने स्कूल शिक्षा की संरचना पूर्ण रूप से बदल कर छात्रों के विकास के लिये अधिक अवसर दिये गये है। जहाँ पुरानी संरचना में 10+2+3 का प्रत्यय था उसमें पूर्व शैशवावस्था के बच्चों को स्थान नहीं मिल पता था, लेकिन नवींन शैक्षणिक संरचना 5+3+3+4 जिसमें प्रथम वर्ष 3 से 6 वर्ष के बालकों के लिये है, जिससे उनका विकास सही दिशा में हो सके। एनईपी 2020 राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रारम्भिक स्तर से लेकर उच्च स्तर एवं यह आजीवन शिक्षा के प्रत्यय पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। यह एक गुणवत्ता पूर्ण, सामर्थ्ययुक्त शिक्षा नीति है। यह विभिन्न नीतियों के माध्यम से सुधार करते हुए आगे बढती हैं। एनईपी 2020 एक छात्र केन्द्रित, कौशल केन्द्रित नीति हैं, जो छात्रों को आगामी भविष्य के लिये तैयार करती हैं। विद्यालय शिक्षा के कुछ ऐसे प्रत्यय हैं जो छात्रों की शिक्षा 21वीं सदी से जोड़ेगे तथा उनको तैयार करेगी। **(सरकार, एस एंड सरकार, एल,. 2021)** । यहाँ कुछ ऐसे ही प्रत्ययों का विष्लेषण किया गया हैं जो एनईपी 2020 को 21 वीं सदी की शिक्षा की ओर ले जाती हैं।

नवींन शिक्षण संरचना को लाना जिससे 3 वर्ष के बालक को स्थान मिल जाता है साथ ही इसमें प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा को जोड़कर उनका बहुआयामी विकास करना। आँगनवाड़ी केन्द्रों को विद्यालय संकुलों से जोड़कर उनकी गुणवत्ता को बढ़ाना एवं कार्यकर्ताओं की स्थिति में सुधार कर उनकी गुणवत्ता को बढ़ाना। कक्षा एक में प्रवेश करने से पहले प्रत्येक बालक को बाल वाटिका में स्थानातरण करना । बुनियादी साक्षरता एवं संख्यां ज्ञान के लिये गुणवत्ता साधनों को एक राष्ट्रीय भण्डार दीक्षा (डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर नॉलेज शेयरिंग) पर उपलब्ध कराया जायेगा। इसके द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों के मध्य भाषागत समस्या का समाधान होगा । भारतीय एवं स्थानीय भाषाओं को अधिक महत्व दिया जायेगा क्योंकि बालक अपनी मातृभाषा में अधिक तीव्रगति से सीख पाते हैं । पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के लिये सार्वजानिक पुस्तकालयों, स्कूल पुस्तकालयों के साथ डिजिटल पुस्तकालयों का निर्माण व विस्तार किया जायेगा । छात्रों के सीखने में सुधार के लिये पुराछात्रों का एक डाटा बेस तैयार किया जायेगा साथ ही उनको प्रोत्साहित किया जायेगा की वो अपने स्व-प्रयासों के द्वारा शिक्षण प्रक्रिया को चलाने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। शिक्षा के विभिन्न पक्षों, जैसे-प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों को चलाने में इनकी सहायता ली जायेगी । शिक्षण के सभी स्तरों पर शुद्ध रूप से शिक्षणशास्त्रीय पाठ्क्रयम का निर्माण किया जायेगा जिससे बालकों के संज्ञानात्मक अधिगम विकास में बढ़ावा मिलेगा। बालकों को रटन्त प्रणाली से दूर ले जा कर उनको इस प्रकार प्रोत्साहित किया जायेगा जिससे वो क्रिया-आधारित, खोज पूर्ण, रचनात्मक एवं प्रयोगिक विधियों के द्वारा अधिगम अनुभव प्राप्त करे, यदि संभव है तो सभी चरणो में सेमेस्टर या उससे मिलती जुलती किसी प्रणाली को अपनाया जाये । संस्कृत भाषा सहित अन्य सभी भारतीय शास्त्रीय भाषाओं को ऑनलाइन माड्यूल के द्वारा छात्रों के लिये उपलब्ध रहेगी, जिसका प्रयोग अनुभाविक व अभिनव उपागम के द्वारा छात्र कर सकेंगें । भाषाओं के शिक्षण के लिये नवींन अनुभावात्मक विधियों का सहारा लिया जायेगा इसको सरल बनाने के लिये, फिल्म, संगीत थिएटर, कथावाचन इत्यादि से जोड़कर सिखाया जायेगा । कक्षा 6-8 की अवधि में बालक को किसी व्यावसायिक शिल्प की जानकारी देने वाला कोइ रुचिकर कोर्स होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 (एनसीएफ) और एनईपी 2020 विज्ञान शिक्षा से सम्बंधित है यह स्पष्ट रूप विज्ञान पाठ्यक्रम भूमिका को बताता है । यह पत्र बतलाता है कि 21 वीं सदी की विभिन्न प्रकार की शिक्षाओं को विकसित करने एवं वास्तविक दुनिया का सामना करने का कौशल छात्रों में विकसित किया जाना चाहिए। ये डार्विन विकास सिद्धान्त की बात करते है जो यह कहता है कि सर्वोत्तम में बदले अर्थात हर बालक को इस प्रकार तैयार करे की वह किसी भी परिस्थिति में वह समायोजन कर पाने में सक्षम होगा। यह शिक्षा की सबसे बड़ी शक्ति है जो छात्रों को 21वीं सदी के लिये तैयार करेगा। ***(प्रत्युषा, आर. एस.2021)*** । भारतीय साइन लैंग्वेज (आईएसएल) को देश भर में उपयोग लाया जायेगा। जिससे मूक एवं बधिर छात्रों का अधिगम प्रभावित न हो । छात्रो के प्रगति कार्ड को एक नवींन रूप देना जो 360 डिग्री का बहु-आयामी कार्ड होगा जिससे छात्रों के विकास के प्रत्येक पहलू का बारीकी से विवरण दिया जायेगा। एक नवींन मूल्यांकन केंद्र-परख (समग्र विकास के लिये प्रदर्शन का आकलन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) मानक निर्धारण निकाय की स्थापना की जायेगी। भारत देश में छात्रों की प्रतिभा को मौका देने के लिये राष्ट्रीय स्तर ओलाम्पियाड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। शिक्षकों के लिये शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) को प्रत्येक स्तर पर अनिवार्य किया जायेगा । शिक्षकों को गैर

शैक्षणिक गतिविधियों से पृथक रखा जायेगा। शिक्षकों का प्रशिक्षण सेवाकाल में भी चलेगा इसके लिये प्रति वर्ष 50 घंटे या उससे अधिक घंटो का सतत् व्यावसायिक विकास (सी. पी. डी.) कार्यक्रमों में भाग लेकर अपना सर्वोत्तम अभ्यास अन्य शिक्षकों के साथ वो साझा करेगे। 21 वीं सदी और वैश्वीकरण छात्रों के लिये है, वर्तमान शिक्षकों में चिन्तनशीलता, बुद्धिमत्ता, सृजनात्मकता तथा तकनीकी प्रेमी होना चाहिए साथ ही उन्हें स्वभाव से शिक्षार्थी होना चाहिए। शिक्षकों की यह जिम्मेदारी है कि वह दृश्य मीडिया, तकनीकी, नवाचारों एवं सुधारों को बढ़ाये जिससे छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण प्राप्त हो और वह उनके जीवन में उपयोगी हो। शिक्षक छात्रों की सीखने की क्षमता को उसके सर्वोत्तम स्तर तक ले जाये उसके लिये उन्हें वह प्रेरित करे और वह एक प्रभावीं शिक्षक बन उनको (छात्रों) 21वीं सदी की शिक्षा के लिए तैयार करे। **(पाटील, आर. 2022)** । उत्कृष्ट शिक्षकों की पहचान कर उनकी पदोन्नति या वेतन वृद्धि की जाएगी। शिक्षकों की भर्ती के लिये एक मजबूत स्पष्ट एवं पारदर्शी व्यवस्था का उपयोग किया जायेगा जो योग्यता आधारित होगी। राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण की स्थापना करना। प्रत्येक राज्य को बाल वाटिका भवनों को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा, इसमें बच्चों को खेल, कला एवं कैरियर सम्बन्धी गतिविधियों में साझेदारी करने का अवसर प्राप्त होगा। सभी शैक्षणिक संस्थानों को नॉट फॉर प्रोफिट एन्टिटी के रूप में कार्य करेंगे। बहु विषयक शिक्षा, शोध विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय अनुसंधान फाउन्डेशन की स्थापना करना उच्च। शिक्षा में ओपेन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) तथा ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देना। छात्रों में 21वीं सदी के कौशलों को विकसित करने के लिये उनकी भागीदारी बढ़ाना, उनको प्रेरित करना, सक्रिय करना, उकृष्टता एवं नवाचार को बढ़ावा देना साथ ही एक योग्यता आधारित फ्रेमवर्क तैयार किया जायेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रौढ़ शिक्षा पर ध्यान दिया, गया है जिसको जीवन पर्यंत अधिगम प्रणाली बनाने के लिये 5 बातों का ध्यान देना होगा जैसे –

(1) साक्षरता वा संख्यां ज्ञान

(2) जरूरी जीवन कौशल

(3) व्यावसायिक कौशल

(4) बुनियादी शिक्षा

(5) सतत शिक्षा पर जोर देना

भारतीय भाषाओं, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना, उनका अनुवाद एवं विवेचना के लिये भारतीय अनुवाद तथा विवेचना संस्थान की स्थापना करना जिससे छात्रों को भारतीय कला संस्कृति आदि से जुड़ने का, समझने का मौका मिले। 21वीं सदी का दौर तकनीकी शिक्षा पर जोर देता है ऐसे में शिक्षा में आधुनिक तकनीकों यथा कृत्रिम बुद्धि, वर्चुअल क्लासरूम शिक्षण सहायक सामग्री, आदि को बढ़ावा देना ऑनलइन शिक्षण, डिजिटल शिक्षा के लिये उपयोगी पायलट अध्ययन करना, जिससे एक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा सके इसकी सहायता से आनलाइन प्लेटफार्म बनाना डिजिटल दूरी को कम करना मिश्रित प्रारूप को अपनाना एवं डिजिटल शिक्षा के लिये शिक्षकों का प्रशिक्षण देना। शिक्षकों के लिये एक व्यावसायिक मानक तैयार करना। चार वर्षीय बहु-स्नातकों के लिये एक वर्षीय, स्नातको के लिये दो वर्षीय तथा अन्यों के लिये चार वर्षीय एकीकृत बी. एड. कार्यक्रमों को बहुविषयक उच्च शिक्षण संस्थानों में क्रियान्वित करना। शिक्षा के विभिन्न आयामों/प्रकारों में और सुधार करके उसको और बेहतर बनाने के लिए तकनीकी का प्रयोग एवं एकीकरण कर अंगीकृत किया जायेगा, शिक्षा में तकनीकी के उपयोग को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मंच (एनईटीएफ) का निर्माण किया जायेगा, इसके तहत दीक्षा, कृत्रिम बुद्धि, डिजिटल प्लेटफार्म, मूक्स एवं स्वयम जैसी तकनीकी का प्रयोग कर शिक्षा को 21वीं सदी में तकनीकी के माध्यम से जोड़ा जायेगा जिससे शिक्षा अपने सर्वोत्तम शिखर पर पहुँच कर सभी के लिए सुगम हो पाये।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है जो भारत देश के विकास के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करती है। यह नीति 21वीं सदी की शिक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप एक नई प्रणाली बनाने के लिए, तथा इसके विनियमन और शासन जैसे शैक्षणिक ढांचे के सभी पहलुओं में सुधार और संशोधन का प्रस्ताव करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में नवींन आयामों को जोड़कर शिक्षा के द्वारा देश को एक बेहतर छात्र, बेहतर इंसान, तथा बेहतर नागरिक प्रदान करने की ओर कदम उठाती है। नए स्कूल पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र का उद्देश्य छात्रों को 21वीं सदी के महत्वपूर्ण कौशलों से युक्त करके, सीखने और महत्वपूर्ण सोच में सुधार के लिए पाठ्यक्रम सामग्री को कम करके और अनुभवात्मक शिक्षा पर जोर देकर उनका समग्र विकास करना एनईपी 2020 का लक्ष्य है। इससे छात्रों को लचीलापन एवं विषयों को पसंद करने की अनुमति मिलेगी। एनईपी 2020 भारतीय भाषाओं को महत्वपूर्ण स्थान देता और बुनियादी स्तर पर उन्ही का प्रयोग करने पर जोर देता जिससे

बालक सुगमतापूर्वक सीख, समझ सके और अपनी संचार कौशल को विकसित कर सके । कला और विज्ञान के बीच, व्यावसायिक और शैक्षणिक धाराओं के बीच, पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के बीच कोई कठिन अलगाव नहीं होगा । एनईपी 2020 ने विभिन्न विषयों के लिए अद्वितीय शैक्षणिक दृष्टिकोण पेश किया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र विषयों को एक कौशल के रूप में सीखें न कि केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करें । एनईपी 2020 ने कक्षा गतिविधियां, बातचीत और दिनचर्या सीखने को समग्र अनुभवात्मक बानाने की ओर कदम बढ़ाती हैं । एनईपी 2020 ने स्कूली पाठ्यक्रम में ही कोडिंग और कम्प्यूटेशनल स्किल्स (सीसीएस) जैसे विषयों को शामिल किया है । प्रौद्योगिकी का उपयोग करके केवल सामग्री का उपयोग करने के बजाय, छात्रों को ऐप, वेबसाइट और गेम, कृत्रिम बुद्धि आदि के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता हैं । इस प्रकार नई शिक्षा नीति बालकों को अभी से भविष्य के लिए तैयार करने का प्रयास कर रहा हैं। कह सकते हैं की नई शिक्षा नीति, सैद्धांतिक सीखने के बजाय व्यावहारिक पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। नई शिक्षा नीति प्रत्येक छात्र को उनकी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, लिंग या विकलांगता के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है । यह छात्रों को बिना किसी प्रतिबंध के किसी भी विषय या स्ट्रीम को चुनने की आजादी देता है । एनईपी 2020 शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की शिक्षण तकनीकों और प्रयोगों का उपयोग करने में सक्षम बनाता है । एनईपी 2020 शिक्षा प्रणाली के समग्र विकास पर जोर देती है । कह सकते हैं की नई शिक्षा नीति में शिक्षा के सभी पहलुओं पर ध्यान केन्द्रित करती हैं इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह हैं की नई शिक्षा नीति, गुणवत्ता, पहुँच, समता, समावेशन, समग्रता, भारतीय संस्कृति का संवर्धन, लचीलापन, प्रोद्योगिकी का उपयोग, ज्यादा वित्त पोषण, कठोर नियम आदि सभी पक्षों को लेकर चलती हैं। जिससे की छात्र जो राष्ट्र के निर्माण की धुरी है उसका विकास कही से भी बाधित न होने पाए वह अपने समय एवं भविष्य के लिए भी तैयार रहे । एनईपी2020 का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को शामिल करके, आईसीटी को एकीकृत करके तथा कोविड के बाद के युग को अपनाकर भारत में उच्च शिक्षा में सुधार लाना है । यह अद्यतन पाठ्यक्रम, उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक नियामक, स्वायत्तता और नवाचार की आवश्यकता पर जोर देता है । यह नीति विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में और भारतीय विश्वविद्यालयों को विदेश में कैंपस स्थापित करने की अनुमति देती है । यह छात्रों को लचीलापन प्रदान करके और व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करके कौशल और रोजगार पर ध्यान केंद्रित करता है। यदि प्रभावीं ढंग से लागू किया गया, तो नई शिक्षा नीति 2020 में 2030 तक भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की क्षमता है। **(कुमार,ए. 2021)** एनईपी 2020 की सबसे बड़ी विशेषता यह हैं की यह प्राचीन भारतीय शिक्षा एवं संस्कृति का संवर्धन करते हुए यह देश को 21वीं सदी के लिए तैयार करती हैं साथ ही नई शिक्षा नीति भारत देश की गरिमा उसकी प्राचीनता को 21वीं सदी में बनाये रखने में सहायक है । यह निष्कर्ष निकालना गलत नहीं होगा की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत देश के लिये एक ठोस रोडमैप तैयार कर रहा है जिसपे चल कर भारत देश के छात्रों का सम्पूर्ण विकास होगा तथा वह भावी भारत के कर्णधार बनेंगे ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

फ्रनकेंन, रॉबर्ट. (2024, जनवरी 1). *व्हाट इज क्रीऐटिवटी?.* Csun.edu. रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024 -

https://www.csun.edu/~vcpsy00h/creativity/define.htm

कुमार, ए. (2021). न्यू एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020: ए रोडमैप फॉर इंडिया 2.0. *अड्वान्स इन ग्लोबल एजुकेशन एण्ड रिसर्च.* वॉल्यूम. 4, पृष्ठ संख्या. 1-8, https://digitalcommons.usf.edu/m3publishing/vol3/iss2021/36/

कैम्ब्रिज डिक्शनेरी. (2024, मई 8), कोलैबरैशन. @ कैम्ब्रिजवर्डस. रिट्रीव फॉर्म 10/05/2024- https://dictionary.cambridge.org/dictionary/english/collaboration

लीड स्कूल. (2022 दिसंबर 8). साइलेंट फीचर्स ऑफ एन ई पी, 2020- के हाईलाइट्स एट ए ग्लैन्स लीड स्कूल. रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024 - https://leadschool.in/blog/salient-features-of-nep-2020-key-highlights-at-a-glance/

मानव संसाधन विकास मंत्रालय. 2020. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. भारत सरकार, नई दिल्ली.

मीना, और शर्मा मोनिका. (2021). नये भारत की नींव राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. *हंस शोध शुधा* (पृष्ठ संख्या. 59–62). https://hansshodhsudha.com/third-issues/(Jan-March%202021)-59-62.pdf

मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन. (2021 अगस्त 1), साइलेंट फीचर्स ऑफ एन ई पी, 2020 . रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024 - https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1847066

एनईपी, पी पी टी. (2021). स्लाईडशेयर: स्लाईडशेयर. रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024 - https://www.slideshare.net/DrAarifHussainBhat/nep-2020-ppt

पाटील, आर. (2022). एनईपी 2020: क्वालिटी एजुकेशन, क्वालिटी टीचिंग एंड टीचर्स रोल 21st सेचुरी एजुकेशन. *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ मॉडर्नाइजेशन इन इंजीनियरिंग टेक्नॉलजी एण्ड साइंस, वॉल्यूम 4, इशू-1* https://www.irjmets.com/uploadedfiles/paper/issue_1_january_2022/18282/final/fin_irjmets1641883661.pdf

सरकार, एस., एंड सरकार, एल. (2021). विज़न ऑफ़ नेशनल एजुकेशन पोलिसी 2020 इन स्कूल *एजुकेशन. इंटरनेशनल जर्नल मल्टीडिसिप्लनेरी एजुकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम 10, इशू-1(5),* https://www.researchgate.net/publication/353429667_VISIONS_OF_NATIONAL_EDUCATION_POLICY_2020_IN_SCHOOL_EDUCATION

साहू , आर. पी. (2021). रीइमेजिनिंग द रोल ऑफ साइंस एजुकेशन इन डेवलपमेंट ऑफ 21st सेंचुरी लर्निंग स्किल्स विथ रिफरेन्स टू एनईपी2020. *एजुकेशनल क्वेस्ट: एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड अप्लाइड सोशल साइंस.* वॉल्यूम. 12, https://www.researchgate.net/publication/354442249_Reimagining_the_Role_ofScience_Education_in_Development_of_21st_Century_Learning_Skills_with_Reference_to_NEP_2020

सबट्ट. (2013 मई 15). *21st सेन्चरी स्किल्स डेफनिशन.* द ग्लॉसरी ऑफ एजुकेशन रिफॉर्म. रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024 - https://www.edglossary.org/21st-century-skills/#:~:text=Perseverance%2C%20self%2Ddirection%2C%20planning,facility%20in%20using%20virtual%20workspaces

टूडे, आई. (2020 अगस्त 15). एनईपी: न्यू एजुकेशन पॉलिसी टू रेवमप् द एजुकेशन सिस्टम ऑफ 21st सेंचुरी. इंडिया टूडै; इंडिया टूडै. रिट्रीव फॉर्म 05/05/2024- . https://www-indiatoday-in.translate.goog/education-today/featurephilia/story/nep-2020-new-education-policy-to-revamp-the-education-system-of-21st-century-1711501-2020-08-15?_x_tr_sl=en&_x_tr_tl=hi&_x_tr_hl=hi&_x_tr_pto=tc